केन्द्रीय विद्यालय संगठन, कोलकाता संभाग

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, KOLKATA REGION

सत्रांत परीक्षा /**SESSION ENDING EXAMINATION – 2025-26**

कक्षा/**CLASS –XI** अधिकतम अंक/ **MAX. MARKS - 80**

समय/ **TIME: 03** घंटे/ **Hrs.**

विषय/ SUBJECT – हिंदी केंद्रिक (302)

सामान्य निर्देश :

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए:-
- इस प्रश्नपत्र में खंड 'क 'ख' और 'ग' हैं।
- खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड 'ख' में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में अतिरिक्त विकल्प दिए गए हैं।
- खंड 'ग' में आरोह भाग-1एवं वितान भाग-1 पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में अतिरिक्त विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।

प्रश्न संख्या	खंड 'क' अपठित बोध	अंक उपभार
[1]	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	**10**
	'किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर उसकी आत्मा है।'- यह उक्ति भारत के प्राचीन राष्ट्र के संदर्भ में और भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। संस्कृति राष्ट्र के जीवन मूल्यों, आदर्शों, दर्शन आदि को मानसिक धरातल पर अभिव्यक्त करने का महत्त्वपूर्ण साधन है। भारत में इसके पीछे हजारों वर्षों के आचरण, व्यवहार, अनुभव, चिंतन, मनन आदि की पूंजी लगी हुई है। कालचक्र के सैकड़ों सुखद एवं दुखद घटनाक्रम के दौरान कसौटी पर खरे उतर कर उन्होंने अपनी सत्यता व विश्वसनीयता अनेक बार सिद्ध की है। त्याग, संयम, परहित एवं अहिंसा या जीवों पर दया आदि भारतीय संस्कृति के सर्वोच्च मूल्यों में से है। संस्कृति एवं सभ्यता दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। अपने आयु, पद और अनुभव में बड़ों के प्रति आदर भाव, श्रद्धा व सम्मान रखना ही संस्कृति की आत्मा है, उसकी पहचान है। संस्कृति और उसके आदर्श एवं मूल्य एक दिन में निर्मित नहीं होते, वे हजारों वर्षों की अनुभूतियों तथा सिद्धातों के परिणाम होते हैं। इन आदर्शों व मूल्यों के आधार पर ही राष्ट्रीय संस्कृति निर्मित होती है। इसका निर्माण कार्य ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसका आचरण, व्यावहारिक जिंदगी में सहज रूप से अभिव्यक्त होना अर्थात उसका अंगीभाव हो जाना, संस्कृति कहलाता है। भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च मूल्य त्याग है, यह मूल्य हमें पाश्चात्य संस्कृति तथा साम्यवादी संस्कृति की भोगवादी वृत्ति से दूर रखता है। इनकी इस भोगवादी संस्कृति ने आज संपूर्ण मानव जाति को विनाश के कगार पर पहुंचा दिया है और इसी प्रवृत्ति ने मनुष्य और प्रकृति के बीच एक खाई पैदा कर दी है भारतीय संस्कृति सर्वसमावेशक है, जीवमात्र में ईश्वर सत्ता की अनुभूति करने वाली है। भारतीय संस्कृति अपने सुखों के लिए दूसरों को नष्ट करने की बर्बरता नहीं रखती। भारतीय संस्कृति में विश्वास करने वाले लोग, राजा से भी अधिक उस संन्यासी को समादृत करते हैं, जो विश्व कल्याण के लिए संयम नियम का पालन करते हुए अपना सर्वस्वार्पण करते हैं।	

(क)	भारत में आचरण, व्यवहार, अनुभव, चिंतन और मनन आदि की पूंजी लगी हुई है' पंक्ति से आशय है? (i) जीवन मूल्यों का महत्त्व (ii) ईश्वरीय सत्ता का योगदान (iii) राष्ट्रीय संस्कृति की चेतना (iv) त्याग का उदात्त रूप	1
(ख)	मनुष्य और प्रकृति के बीच खाई पैदा करने के महत्त्वपूर्ण कारण है- (i) आधुनिकता (ii) भोगवादी दृष्टिकोण (iii) प्रकृति के प्रति उदासीनता (iv) लालची स्वभाव	1
(ग)	'संस्कृति के मूल में समाहित है।' इस कथन के मूलभाव हेतु निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए- (1) एक राष्ट्र की आत्मा (2) जीवन मूल्यों, दर्शन का आईना (3) पाश्चात्य जगत की भोगवादी संस्कृति (4) आधारभूत तत्वों का अवमूल्यन विकल्प: (i) कथन (1) व (4) सही है। (ii) कथन (1) व (2) सही है। (iii) कथन (1), (2), (3) व (4) सही है। (iv) कथन (1) व (3) सही है।	1
(घ)	भारतीय संस्कृति के सर्वोच्च मूल्य कौन-कौन से है?	1
(ङ)	भारतीय संस्कृति पाश्चात्य संस्कृति से किस प्रकार भिन्न है?	2
(च)	राष्ट्रीय संस्कृति किन आदर्शों व मूल्यों के आधार पर निर्मित होती है? लिखिए।	2
(छ)	भारतीय संस्कृति को सर्वसमावेशक क्यों कहा गया है?	2
2.	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सबसे सटीक विकल्प चुनकर लिखिए :-	8

ले चल मांझी मझधार मुझे, दे दे बस अब पतवार मुझे। इन लहरों के टकराने पर, आता रह-रह कर प्यार मुझे ॥ मत रोक मुझे भयभीत न कर, मैं सदा कटीली राह चला। पथ-पथ मेरे पतझारों में, नव सुरभि भरा मधुमास पला ॥ फिर कहाँ डरा पाएगा यह, पगले जर्जर संसार मुझे। इन लहरों के टकराने पर, आता रह-रह कर प्यार मुझे ॥ मैं हूँ अपने मन का राजा, इस पार रहूँ, उस पार चलूँ। मैं मस्त खिलाड़ी हूँ ऐसा , जी चाहे जीतूँ या हार चलूँ।।	मैं हूँ अबाध, अविराम, अधक, बंधन मुझ स्वीकार नहीं। मैं नहीं अरे ऐसा राही, जो बेबस-सा मन चलूँ।। कब रोक सकी मुझको चितवन, मदमाते कज घन की। कब लुभा सकी मुझको बरबस, मधु-मस्त फु सावन की।। जो मचल उठे अनजाने ही, अरमान नहीं मेरे ऐ राहों को समझा लेता हूँ सब बात सदा अपने की ॥ इन उठती गिरती लहरों का, कर लेने दो श्रृं मुझे। इन लहरों के टकराने पर, आता रह-रह कर प मुझे।।

(क)	इस पार रहूँ, उस पार चलूँ' इस पंक्ति का आशय है- **(i)** घर के अंदर रहे या बाहर रहे (ii) इस लोक में रहूँ या परलोक में रहूँ	1

	(iii) रुका रहे या चलना शुरू करे (iv) देश में रहे या विदेश में	
(ख)	कवि को लहरों से टकराने में प्यार क्यों आता है? **(i)** गर्मी में ठंडी लहरें उसे अच्छी लगती हैं। (ii) लहरों से टकराने में उसे कोई दर्द नहीं होता है। (iii) उसे तैरना आता है। वह लहरों का आनंद लेता है। (iv) वह लहर रूपी किसी भी संकट का सामना खुशी से करता है।	**1**
(ग)	स्तंभ-**1** को स्तंभ-**2** से सुमेलित करके सही विकल्प का चयन करें-	**1**

स्तंभ-1	स्तंभ-2
(1) कवि का जीवन-मार्ग	(क) बंधनों से मुक्त, स्वच्छंद और आत्मनिर्भर
(2) मझधार और लहरें	(ख) संघर्षों और चुनौतियों का प्रतीक
(3) कवि क व्यक्तित्व	(ग) कटीली राहों में भी आगे बढ़ने का साहस
(4) संसार के प्रति दृष्टिकोण	(घ) जर्जर और भय दिखाने वाला
(5)कवि की मनःस्थिति	(ड.) निर्भीक, उत्साही और प्रेमपूर्ण

(i) 1-ग , 2-ख , 3-क, 4-घ, 5-ड. (ii) 1-ख , 2-ख , 3-क, 4-ड., 5-घ.
(iii) 1-क , 2-ग , 3-घ , 4-ख , 5-ड. (iv) 1-ग , 2-ख , 3-घ, 4-क, 5-ड.

(घ)	किस पंक्ति में कवि पतझड़ को भी बसंत मान लेता है?	**1**
(ड)	कविता के आधार पर कवि के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	**2**
(च)	इस कविता का केंद्रीय भाव लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए।	**2**
	खंड 'ख' **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	
3.	दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर **120** शब्दों में एक रचनात्मक लेख लिखिए। • गुम होता बचपन • सोशल मीडिया का जाल • मंच पर प्रथम प्रस्तुति	**6x1=6**
4.	कल्पना कीजिए कि आपने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है और मुंबई के किसी प्राइवेट बैंक में सहायक प्रबंधक पद के लिए आवेदन पत्र भेजना है। इसके लिए आप एक आवेदन पत्र लिखिए। **अथवा** कल्पना कीजिए कि आप अदिति/आदित्य हैं और कृष्णानगर, कोलकाता में रहते हैं। आपके क्षेत्र में खाली पड़ी जमीन पर वन-महोत्सव के समय बहुत से पौधे लगाए गए। उनकी उचित देखभाल के अभाव एवं सिंचाई की कमी के कारण वे सूखकर आधे हो गए हैं। इसकी जानकारी देते हुए उद्यान विभाग के मुख्याधिकारी को इनकी समुचित देख-रेख के लिए पत्र लिखिए।	**1×5=5**
5.	निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर **40** शब्दों में दीजिए।	**2x4=8**
(क)	डायरी लेखन' निजी लेखन कैसे है?	
(ख)	पटकथा लेखन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?	
(ग)	फ्लैशबैक तकनीक और फ्लैशफॉरवर्ड तकनीक क्या है?	
(घ)	स्ववृत्त लेखन क्या है? इसकी दो विशेषताएँ लिखिए	
(ड.)	अंतःवैयक्तिक और अंतरवैयक्तिक संचार में क्या अंतर है? उदाहरण देकर लिखिए।	
6.	निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर **60** शब्दों में दीजिए।	**3x1=3**

(क)	साहित्यिक और पत्रकारीय लेखन में क्या अंतर है?	
(ख)	समाचार लेखन की शैली कौन-सी है ? विस्तार रूप से वर्णन करें।	
प्रश्न संख्या	खंड 'ग' (पाठ्य-पुस्तक आरोह एवं वितान पर आधारित प्रश्न)	अंक
7.	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए पश्नों के सर्वाधिक सटीक विकल्प चुनिए।	1×5=5
	कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए। यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है, चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए। न हो कमीज़ तो पाँवों से पेट ढंक लेंगे, ये लोग कितने मुनासिब हैं इस सफ़र के लिए। खुदा नहीं, न सही, आदमी का ख्वाब सही, कोई हसीन नज़ारा तो है नज़र के लिए। वे मुतमइन हैं कि पत्थर पिघल नहीं सकता, मैं बेकरार हूँ आवाज़ में असर के लिए। तेरा निज़ाम है सिल दे जुबान शायर की. ये एहतियात ज़रूरी है इस बहर के लिए	
i	पहले शेर में 'चिराग' के माध्यम से कवि किस विडंबना को उजागर करता है? (क) संसाधनों की प्राकृतिक कमी (ख) योजनाओं और वास्तविकता के बीच का अंतर (ग) धार्मिक आडंबर (घ) शहरीकरण की सुंदरता	
ii	"यहाँ दरख़्तों के साये में धूप लगती है" - पंक्ति का आशय क्या है? (क) प्रकृति के नियम बदल गए हैं (ख) जीवन में संघर्ष हर जगह मौजूद है (ग) समाज में दिखावटी सुरक्षा है (घ) लोग प्रकृति से दूर हो गए हैं	
iii	कवि 'पत्थर पिघलने' और 'आवाज़ में असर' के माध्यम से किस संघर्ष को दर्शाता है? (क) भौतिक और आध्यात्मिक संघर्ष (ख) सत्ता और जनता का संघर्ष (ग) जड़ता और संवेदना का संघर्ष (घ) परंपरा और आधुनिकता का संघर्ष	
iv	निम्नलिखित कथनों को पढ़कर बताए कि इनमें-से कौन-सा कथन गलत है- I कवि सामाजिक अन्याय और असमानता पर व्यंग्य करता है। ii. कवि व्यवस्था से पूर्णतः संतुष्ट दिखाई देता है। iii. कवि शब्दों की शक्ति में विश्वास करता है। iv. कवि केवल व्यक्तिगत पीड़ा की बात करता है, सामाजिक नहीं। (क) कथन (i) केवल (ख) कथन (i) और (ii) (ग) कोई नहीं (घ) कथन (ii) और (iv)	
v	निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए:- कथन: (A) कवि व्यवस्था से असंतुष्ट है। कारण (R): क्योंकि व्यवस्था आम आदमी की आवाज़ को दबाने का प्रयास करती है। (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	

	(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (घ) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R), कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।	
8.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर **60** शब्दों में लिखिए।	**3×2=6**
(क)	जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई। सब घटि अंतरि तूंही व्यापक धरै सरूपै सोई॥ इसके आधार पर बताइए कि कबीर की दृष्टि में ईश्वर का क्या स्वरूप है?	
(ख)	मुर्दा शांति से भर जाना और हमारे सपनों का मर जाना- इनको सबसे खतरनाक माना गया है| आपकी दृष्टि में इन बातों में क्या संगति है और ये क्यों सबसे खतरनाक हैं?	
(ग)	जनजातीय समाज के जंगल,ज़मीन,भाषा और संस्कृति हमारा संवैधानिक दायित्व है, कैसे? 'आओ मिलकर बचाएं' कविता को ध्यान में रखते हुए उत्तर लिखिए।	
9.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर **40** शब्दों में लिखिए।	**2x2=4**
(क)	ईश्वर के लिए किस दृष्टांत का प्रयोग किया गया है। ईश्वर और उसके साम्य का आधार बताइए।– 'हे भूख! मत मचल'- पाठ के आधार पर बताइए।	
(ख)	'चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती' कविता में पूर्वी प्रदेशों की स्त्रियों की किस विडंबनात्मक स्थिति का वर्णन हुआ है?	
(ग)	'घर की याद' कविता की अंतिम पंक्तियों को पढ़कर कल्पना कीजिए कि कवि अपनी किस स्थिति व मनःस्थिति को अपने प्रियजनों से छिपाना चाहता है?	
10.	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक सटीक विकल्प चुनिए।	**1x5=5**
	मैं उत्तर-पच्छिम में खैबर के दर्रे से लेकर धुर दक्खिन में कन्याकुमारी तक की अपनी यात्रा का हाल बताता और यह कहता कि सभी जगह किसान मुझसे एक-से सवाल करते, क्योंकि उनकी तकलीफें एक-सी थीं-यानी गरीबों, कर्जदारों, पूँजीपतियों के शिकंजे, जमींदार, महाजन, कड़े लगान और सूद, पुलिस के जुल्म, और ये सभी बातें गुँथी हुई थीं, उस ढड्ढे के साथ, जिसे एक विदेशी सरकार ने हम पर लाद रख था और इनसे छुटकारा भी सभी को हासिल करना था। मैंने इस बात की कोशिश की कि लोग सारे हिंदुस्तान के बारे में सोचें और कुछ हद तक इस बड़ी दुनिया के बारे में भी, जिसके हम एक जुज़ हैं। मैं अपनी बातचीत में चीन, स्पेन, अबीसिनिय मध्य यूरोप, मिस्त्र और पच्छिमी एशिया में होनेवाले कशमकशों का जिक्र भी ले आता। मैं उन्हें सोवियत युनियन में होने वाली अचरज भरी तब्दीलियों का हाल भी बताता और कहता कि अमरीका ने कैसी तरक्की की है। यह काम आसान न था, लेकिन जैसा मैंने समझ रखा था, वैसा मश्किल भी न था। इसकी वजह यह थी कि सारे पुराने महाकाव्यों ने और पुराणों की कथा कहानियों ने, जिन्हें वे खूब जानते थे, उन्हें इस देश की कल्पना करा दी थी और हमेशा कुछ लोग ऐसे मिल जाते थे, जिन्होंने हमारे बड़े-बड़े तीर्थों की यात्रा कर रखी थी, जो हिंदुस्तान के चारों कोनों पर हैं। या हमें पुराने सिपाही मिल जाते, जिन्होंने पिछली बड़ी जंग में या और धावों के सिलसिले में विदेशों में नौकरियाँ की थीं। सन् तीस के बाद जो आर्थिक मंदी पैदा हुई थी, उसकी वजह से दूसरे मुल्कों के बारे में मेरे हवाले उनकी समझ में आ जाते थे।	
(i)	लेखक किसानों की समान समस्याओं का उल्लेख करके क्या स्थापित करना चाहता है?	

	(क) भारत के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक भिन्नता केवल आर्थिक पक्ष (ख) किसानों की समस्याओं का (ग) राष्ट्रीय स्तर पर एक साझा शोषण व्यवस्था (घ) किसानों की व्यक्तिगत असफलताएँ	
(ii)	लेखक द्वारा अंतरराष्ट्रीय घटनाओं (चीन, स्पेन, सोवियत यूनियन आदि) का उल्लेख करने का मुख्य उद्देश्य क्या है? (क) अपनी विद्वता प्रदर्शित करना (ख) भारतीय समस्याओं को वैश्विक संदर्भ से जोड़ना (ग) किसानों को वैश्विक राजनीति में रुचि दिलाना (घ) विदेशी देशों की श्रेष्ठता सिद्ध करना	
(iii)	निम्नलिखित कथन (A) कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए:- कथन(A): लेखक के लिए किसानों को पूरे हिंदुस्तान और विश्व के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करना अपेक्षाकृत आसान रहा। कारण (R): किसानों को प्राचीन महाकाव्यों, पुराणों और तीर्थ यात्राओं के माध्यम से देश की व्यापक कल्पना पहले से ही थी। (क) केवल कथन सही है। (ख) केवल कारण सही है। (ग) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। (घ) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	
(iv)	स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित करके सही विकल्प का चयन करें-	

स्तंभ-1	स्तंभ-2
(1) जमींदार व महाजन	(क) आर्थिक शोषण
(2) पुलिस के जुल्म	(ख) प्रशासनिक अत्याचार
(3) विदेशी सरकार	(ग) राष्ट्रीय दमन
(4) सोवियत संघ	(घ) अचरज भरी तब्दीलियाँ

(i) 1-ग , 2-ख , 3-क, 4-घ,
(ii) 1-ख , 2-ग , 3-क, 4-घ.
(iii) 1-क , 2-ख , 3-ग , 4-घ,
(iv) 1-ग , 2-ख , 3-घ, 4-क,

(v)	निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है, इसकी पहचान करें। लेखक के अनुसार किसानों की समस्याओं का विदेशी शासन से कोई संबंध नहीं था। देश के विभिन्न भागों में किसानों की समस्याएँ मूलतः समान थीं, जिनमें कर्ज, जमींदारी शोषण, कड़ा लगान, सूद और पुलिस का अत्याचार शामिल था, और इन सबके पीछे विदेशी शासन की दमनकारी व्यवस्था जुड़ी हुई थी। लेखक के अनुसार किसानों को विदेशी देशों की परिस्थितियाँ समझाना अत्यंत कठिन था।" किसानों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से जोड़ना लेखक के लिए संभव हो सका, क्योंकि महाकाव्यों, पुराणों, तीर्थ यात्राओं, पुराने सैनिकों के अनुभवों तथा 1930 के बाद आई आर्थिक मंदी ने उनकी समझ का दायरा पहले से ही विस्तृत कर रखा था।लेखक के अनुसार किसानों को विदेशी देशों की परिस्थितियाँ समझाना अत्यंत कठिन था।" (क) केवल कथन एक और तीन सही है। (ख) केवल कथन दो सही है। (ग) केवल कथन चार सही है। (घ) केवल कथन दो और चार सही है।	
11.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर **60** शब्दों में लिखिए।	**3x2=6**
(क)	'नमक का दारोगा' कहानी के लगभग सभी पात्र समाज की किसी-न-किसी सच्चाई को उजागर करते हैं| निम्नलिखित पात्रों के सन्दर्भ में पाठ के उस अंश को उद्धृत करते हुए बताइए कि वह समाज की किस सच्चाई को उजागर करते हैं? (क) वृद्ध मुंशी (ख) वकील (ग) शहर की भीड़	
(ख)	आठ करोड़ प्रजा के गिड़गिड़ाकर विच्छेद न करने की प्रार्थना पर आपने जरा भी ध्यान नहीं दिया- यहाँ किस ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत किया गया है?- 'विदाई संभाषण' पाठ के आधार पर लिखिए।	
(ग)	यह कहना कहाँ तक युक्तिसंगत है कि 'जामुन का पेड़' कहानी में हास्य के साथ-साथ करूणा की भी अंतर्धारा है| अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें|	
12.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर **40** शब्दों में लिखिए।	**2x2=4**
(क)	मान लीजिए कि आपको अपने विद्यालय पर एक डॉक्यूमैंट्री फ़िल्म बनानी है। इस तरह की फ़िल्म में आप किस तरह के दृश्यों को चित्रित करेंगे? फ़िल्म बनाने से पहले और बनाते समय किन बातों पर ध्यान देंगे?	
(ख)	जब किसी का बच्चा कमजोर होता है, तभी उसके माँ-बाप ट्यूशन लगवाते हैं| अगर लगे कि कोई टीचर लूट रहा है, तो उस टीचर से न ले ट्यूशन, किसी और के पास चले जाएँ.....यह कोई	

	मजबूरी तो है नहीं- प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताएँ कि यह संवाद आपको किस सीमा तक सही या गलत लगता है, तर्क दीजिए|- 'रजनी' पटकथा के आधार पर उत्तर लिखिए।	
(ग)	'गलता लोहा' कहानी भारत में जाति व्यवस्था कमजोर होते जाने की कहानी है? पाठ से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कारण सहित उत्तर लिखिए।	
13.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए।	**5×2=10**
(क)	लता ने करुण रस के गानों के साथ न्याय नहीं किया है, जबकि श्रृंगारपरक गाने वे बड़ी उत्कटता से गाती हैं- इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?	
(ख)	'आलो आँधारि' रचना बेबी की व्यक्तिगत समस्याओं के साथ-साथ कई सामाजिक मुद्दों को समेटे है| किन्हीं दो मुख्य समस्याओं पर अपने विचार प्रकट कीजिए|	
(ग)	दिनोदिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने में यह 'राजस्थान की रजत बूंदे' पाठ आपकी कैसे मदद कर सकता है तथा देश के अन्य राज्यों में इसके लिए क्या उपाय हो रहे हैं?	
	*****	